पाठ

संज्ञा के विकार (Declension of Noun)

संज्ञा की रूप-रचना लिंग, वचन तथा कारक के कारण बदलती है, इसी कारण इन्हें संज्ञा के विकार या विकारक तत्व कहा जाता है। इस पाठ में हम क्रम से इन्हीं तीनों विकारों का अध्ययन करेंगे।

1. लिंग (Gender)

यह गौरा गाय है। इसका एक छोटा बछड़ा है, जिसका नाम लालमणि है। वह एक खूँटे से बँधा रहता है। एक छोटी बच्ची उसे रोटी खिलाती है। कुछ अन्य बच्चे भी लालमणि के साथ खेलते हैं। गौरा को एक किसान ने पाला है। गौरा बहुत सारा दूध देती है। किसान की पत्नी और बेटा-बेटी भी गौरा को बहुत पसंद करते हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में गाय, बच्ची, पत्नी, बेटी आदि शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, ऐसे शब्दों को स्त्रीलिंग कहा जाता है, जबकि बछड़ा, खूँटा, किसान, दूध, बेटा आदि शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, ऐसे शब्दों को पुल्लिंग कहा जाता है। व्याकरण में स्त्री और पुरुष जाति से जुड़ी यह पहचान ही लिंग कहलाती है।

शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे 'लिंग' कहते हैं।

लिंग के भेद

लिंग के दो भेद होते हैं– (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग

जिन शब्दों से पुरुष जाति का पता चलता है, उन्हें 'पुल्लिंग' तथा जिनसे स्त्री जाति का पता चलता है, उन्हें 'स्त्रीलिंग' कहते हैं; जैसे– कवि, वीर, शेर, सुनार, बालक आदि (पुल्लिंग) तथा – कवयित्री, वीरांगना, शेरनी, सुनारिन, बालिका (स्त्रीलिंग) आदि।

वाक्य रूप में–

जैसे– दादा जी **अखबार** पढ़ रहे हैं।	दादी जी **पत्रिका** पढ़ रही हैं।
बैल **पानी** पी रहा है।	गाय **घास** खा रही है।
यह अभिनेता गज़ब का **अभिनय** करते हैं।	यह अभिनेत्री **ग़ज़ल** भी गाती हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में दादा जी, बैल, अभिनेता आदि सजीव पुल्लिंग शब्द हैं और दादी जी, गाय, अभिनेत्री आदि सजीव स्त्रीलिंग शब्द हैं। इन्हीं वाक्यों में अखबार, पानी, अभिनय आदि पुल्लिंग हैं और पत्रिका, घास, ग़ज़ल आदि स्त्रीलिंग शब्द हैं।

पुल्लिंग शब्दों से स्त्रीलिंग बनाने के कुछ नियम

'अ' के स्थान पर 'आ' तथा 'अक' के स्थान पर 'इका' जोड़कर

सुत – सुता	अनुज – अनुजा	आचार्य – आचार्या	नायक – नायिका
अग्रज – अग्रजा	प्रिय – प्रिया	शिष्य – शिष्या	बालक – बालिका
महोदय – महोदया	साधक – साधिका	भवदीय – भवदीया	पाठक – पाठिका
अध्यक्ष – अध्यक्षा	बाल – बाला	पूज्य – पूज्या	गायक – गायिका
चपल – चपला	संपादक – संपादिका	अध्यापक – अध्यापिका	लेखक – लेखिका

'अ/आ' के स्थान पर 'ई' जोड़कर

बेटा – बेटी	लड़का – लड़की	भतीजा – भतीजी	बकरा – बकरी
देव – देवी	सखा – सखी	मौसा – मौसी	घोड़ा – घोड़ी
पौत्र – पौत्री	चाचा – चाची	कबूतर – कबूतरी	गधा – गधी
नर – नारी	नाना – नानी	गीदड़ – गीदड़ी	गोरा – गोरी

विशेष– 'ई' जोड़कर कुछ निर्जीव पुल्लिंग शब्दों के भी स्त्रीलिंग रूप होते हैं; जैसे– मटका–मटकी, चरखा–चरखी, कटोरा–कटोरी, पहाड़–पहाड़ी, थाल–थाली आदि।

'अ/आ' की जगह 'इया' जोड़कर–

बंदर – बंदरिया	चूहा – चुहिया	लोटा – लुटिया	बूढ़ा – बुढ़िया
कुत्ता – कुतिया	बछड़ा – बछिया	बेटा – बिटिया	डिब्बा – डिबिया

अ के बाद 'आनी', 'आणी' और 'नी' जोड़कर–

सेठ – सेठानी	चोर – चोरनी	सिंह – सिंहनी	नौकर – नौकरानी
क्षत्रिय – क्षत्राणी	हंस – हंसनी	जेठ – जेठानी	रुद्र – रुद्राणी
मोर – मोरनी	देवर – देवरानी	शेर – शेरनी	ऊँट – ऊँटनी

'इन', 'आइन' व 'इनी' जोड़कर–

सुनार – सुनारिन	बाघ – बाघिन	मौलवी – मौलविन	लाला – ललाइन
लुहार – लुहारिन	भिखारी – भिखारिन	माली – मालिन	स्वामी – स्वामिनी
ग्वाला – ग्वालिन	पुजारी – पुजारिन	हलवाई – हलवाइन	प्रार्थी – प्रार्थिनी

'मान' का 'मती', 'वान' का 'वती' तथा 'ता' का 'त्री' करने पर–

आयुष्मान	– आयुष्मती	बुद्धिमान	– बुद्धिमती	गुणवान	– गुणवती	रूपवान	–
श्रीमान	– श्रीमती	दाता	– दात्री	कर्ता	– कर्त्री	नेता	–

कुछ शब्द इन नियमों से अलग भी बदले जाते हैं; जैसे–

पति	– पत्नी	वीर	– वीरांगना	सम्राट	– सम्राज्ञी	विद्वान	– विदुषी
बैल	– गाय	वर	– वधू	कवि	– कवयित्री	माता	– पिता
बुआ	– फूफा	विधुर	– विधवा	पुरुष	– स्त्री	राजा	– रानी

विशेष– ओई, आ, आव/औटा प्रत्यय स्त्रीलिंग से पुल्लिंग शब्द बना देते हैं; जैसे– बहन–बहनोई, जूती–जूता, झोली–झोला, ननद– ननदोई, रस्सी–रस्सा, बिल्ली–बिलाव/बिलौटा आदि।

पाठ एक नज़र में

- शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चले, उसे लिंग कहते हैं।
- लिंग के दो भेद होते हैं- पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग। हिंदी में संस्कृत के समान निर्जीव वस्तुओं के लिए 'नपुंसकलिंग' नहीं होता है।
- 'नित्य पुल्लिंग' शब्दों के स्त्रीलिंग रूप में उनके आगे 'मादा' जोड़ दिया जाता है; जैसे- मादा मच्छर, मादा भालू आदि। इसके विपरीत 'नित्य स्त्रीलिंग' शब्दों के पुल्लिंग रूप में उनके आगे 'नर' जोड़ दिया जाता है; जैसे- नर मक्खी, नर गौरैया आदि।

सोचिए और बताइए

1. नित्य पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों का लिंग बदलते समय उनसे पहले किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?
2. 'छिपकली' शब्द का पुल्लिंग रूप क्या होगा?
3. ग्रहों के नाम सामान्यत: पुल्लिंग होते हैं। सोचकर बताइए कि कौन-सा ग्रह स्त्रीलिंग है?
4. बहुवचन विधि द्वारा 'परदा' तथा 'चादर' का लिंग पहचानकर बताइए।
5. यदि निर्जीव वस्तुओं का लिंग निर्धारण नहीं किया जाता, तो भाषा प्रयोग में क्या कठिनाई आती? सोचकर लिखिए।

लिखिए

1. **उचित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–** (उपयुक्त शब्द प्रयोग को दर्शाता)

   (क) सदैव पुल्लिंग में प्रयोग किए जाने वाले शब्द ..... पुल्लिंग कहलाते हैं।

   (ख) मक्खी, मछली, गौरैया आदि ..... स्त्रीलिंग शब्द हैं।